रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 102 इंदौर, गुरुवार 20 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

संक्षिप्त खबरें

इस्राइल का गाजा पर बड़ा हवाई हमला, 404 मरे

दीर अल-बलाह। इस्राइल ने मंगलवार सुबह गाजा पट्टी क्षेत्र में हमास के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सिलसिलेवार हवाई हमले किए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में कम से कम 404 लोगों की मौत हो गई जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। कहा जा रहा है जनवरी में युद्धविराम के प्रभावी होने के बाद से यह गाजा में अब तक का सबसे भीषणतम हमला है।

(विवरण पेज-11)

देहुली जनसंहार मामले में तीन लोगों को मृत्युदंड

मैनपुरी। मैनपुरी जिले की एक विशेष अदालत ने 1981 के देहुली जनसंहार मामले में तीन लोगों को मौत की सजा सुनाई। सरकारी वकील रोहित शुक्ला ने बताया, 18 नवम्बर 1981 को हुई जनसंहार में छह महीने और दो साल की उम्र के दो बच्चों समेत 24 दलितों की डकैतों के एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। विशेष न्यायाधीश इंदिरा सिह ने मामले में कप्तान सिह, रामपाल और राम सेवक को दोषी ठहराते हुए उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया। 18 नवम्बर 1981 की शाम को पुलिस की वर्दी पहने 17 डकैतों के एक गिरोह ने मैनपुरी के देहुली में 24 दलितों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

सितारगंज एवं काशीपुर में 15 मदरसे सील किए गए

रुद्रपुर। उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई मंगलवार को भी जारी रही और अधिकारियों ने सितारगंज और काशीपुर में ऐसे 15 मदरसों को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया, एसडीएम (खटीमा) रवींद्र बिष्ट और क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिह धोनी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बिष्ट ने बताया, काशीपुर में 12 और सितारगंज में तीन मदरसे सील किए गए है। कार्रवाई अब भी जारी है। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड से पंजीकृत न होने वाले मदरसों को सील किया जा रहा है।

नौ महीने बाद अंतरिक्ष से लौटे सुनीता विलियम्स

केप कैनवेरल (एपी)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पिछले नौ महीने से फंसी नासा की अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंततः मंगलवार को 'स्पेसएक्स' के यान से पृथ्वी के लिए रवाना हो गए। दोनों अंतरिक्षयात्री नौ महीने पहले बोइंग की एक परीक्षण उड़ान के जरिये अंतरिक्ष केंद्र में पहुंचे थे। बुच विल्मोर और भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने दो अन्य अंतरिक्षयात्रियों के साथ स्पेसएक्स कैप्सूल पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलविदा कहा।

कैप्सूल अमेरिका के पूर्वी तटीय समयानुसार सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक बजे (भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न 10:30बजे) के कुछ समय बाद अंतरराष्ट्रीय केंद्र से अलग हुआ और इसके मौसम अनुकूल होने पर पूर्वी तटीय समयानुसार 5:57 बजे (भारतीय समयानुसार

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात 3:27 बजे) पर फ्लोरिडा तट पर उतरने का कार्यक्रम है। दोनों अंतरिक्षयात्री पांच जून 2024 को बोइंग के नए स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल में सवार होकर अंतरिक्ष में गए थे। उन्हें एक सप्ताह के बाद ही लौटने की उम्मीद थी। अंतरिक्ष स्टेशन के रास्ते में इतनी सारी समस्याएं आईं कि नासा ने अंततः स्टारलाइनर को खाली वापस धरती पर लगाया और परीक्षण पायलटों को स्पेसएक्स में स्थानांतरित कर दिया, जिससे उनकी घर वापसी फरवरी तक टल गई।

इसके बाद स्पेसएक्स कैप्सूल संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने की और देरी हुई।

रविवार को दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को राहत मिली, जब राहत दल अंतरिक्ष केंद्र पहुंचा जिसका अभिप्राय था कि विल्मोर और विलियम्स आखिरकार लौट सकते है। नासा ने इस सप्ताह के अंत में अनिश्चित मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए उन्हें थोड़ा पहले ही लौटने की योजना पर अमल करा दी। उन्होंने नासा के निक हेग और रूस के अलेक्जेंडर गोरबुनोव के साथ चेक आउट किया, जो पिछले साल अपने स्पेसएक्स कैप्सूल में आए थे। इसमें स्टारलाइनर से आए दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए दो खाली सीटें आरक्षित थीं।

नासा की ऐनी मैकक्लेन ने अंतरिक्ष केंद्र से उस समय पुकारा, जब कैप्सूल प्रशांत महासागर से 260 मील (418 किलोमीटर) ऊपर रवाना हुआ, हम आपको याद करेंगे, लेकिन घर वापसी की आपकी यात्रा सुखद रहे। उनकी स्थिति ने दुनिया का ध्यान खींचा, जिससे 'काम पर अटके रहना' वाक्यांश को नया अर्थ मिला। अन्य अंतरिक्षयात्रियों ने दशकों में लंबी अंतरिक्ष उड़ानें भरी थी, लेकिन किसी को भी इतनी अनिश्चितता से नहीं जूझना पड़ा या अपने मिशन की अवधि को इतना अधिक बढ़ते हुए नहीं देखना पड़ा। विल्मोर और विलियम्स ने अंतरिक्ष केंद्र में जल्द ही मेहमान से पूर्ण रूप से सदस्य बन गए, प्रयोग किए, उपकरण ठीक किए और साथ में अंतरिक्ष में चहलकदमी भी की।

आधार से लिंक होगा वोटर कार्ड !

निर्वाचन आयोग और यूआईडीएआई के विशेषज्ञ जल्द करेंगे परामर्श

नई दिल्ली (एसएनबी)। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि मतदाता पहचानपत्रों को आधार से जोड़ने का काम मौजूदा कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। उसने कहा, इस प्रक्रिया के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और उसके विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द शुरू होगा।

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के मुद्दे पर केंद्रीय गृह सचिव, विधायी सचिव (कानून मंत्रालय में), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ के साथ बैठक की। सरकार ने अप्रैल 2023 में एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया, आधार के विवरणों को मतदाता पहचान पत्रों से जोड़ने का काम शुरू नहीं हुआ है। सरकार ने बताया, यह

■ मौजूदा कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार होगा काम

कार्य 'प्रक्रिया संचालित' है और प्रस्तावित कार्य के लिए कोई लक्ष्य या समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है।

सरकार ने आश्वस्त किया है कि जो लोग अपने आधार विवरण को मतदाता सूची से नहीं जोड़ेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से नहीं हटाए जाएंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी बयान में कहा, संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मताधिकार केवल भारत के नागरिक को ही दिया जा सकता है, जबकि आधार केवल व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है। इसमें कहा गया है, इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि मतदाता फोटो पहचानपत्र (ईपीआईसी) को आधार से जोड़ने का काम केवल संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय (2023) के अनुरूप किया जाएगा। बयान में कहा गया कि तदनुसार यूआईडीएआई और निर्वाचन आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श 'शीघ्र ही शुरू होने वाला है'। कानून मतदाता सूचियों को स्वैच्छिक रूप से आधार से जोड़ने की अनुमति देता है। चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम 2021 द्वारा संशोधित जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 23 में प्रावधान किया गया है कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी किसी मौजूदा या भावी मतदाता से स्वैच्छिक आधार पर पहचान स्थापित करने के लिए आधार संख्या की मांग कर सकते है।

बूथवार मत प्रतिशत आंकड़ा अपलोड करने के बारे में बातचीत को तैयार

नई दिल्ली (एसएनबी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग की उस दलील पर गौर किया जिसमें आयोग ने कहा कि वह अपनी वेबसाइट पर बूथवार मत प्रतिशत आंकड़ा अपलोड करने की मांग पर विचार-विमर्श के लिए तैयार है। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से 10 दिन में निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रतिवेदन देने को कहा।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और 2019 में गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' द्वारा दायर दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जनहित याचिकाओं में निर्वाचन आयोग को लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान समाप्त होने के 48 घंटे के भीतर बूथवार मत प्रतिशत आंकड़ा आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिद्र सिह ने कहा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार याचिकाकर्ताओं से मिलकर शिकायत पर चर्चा करना चाहते है।

निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, निर्वाचन आयोग के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता आयोग के समक्ष अपना प्रतिवेदन दे सकते है और आयोग उनकी सुनवाई करेगा तथा इस बारे में पहले से सूचित करेगा। प्रतिवेदन 10 दिन में पेश किया जाए। सुनवाई के दौरान एनजीओ की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ईवीएम की गिनती और मतदान केंद्रों पर वोट डालने आने वाले लोगों की संख्या में भारी विसंगतियां है।

इंदौर के राजबाड़ा में रंगपंचमी गैर के दौरान भीड़ के बीच ट्रैक्टर का पहिया 45 वर्षीय व्यक्ति के पेट पर चढ़ गया, जिससे हड़कंप मच गया। घायल को तत्काल एम. वाय. अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बेंगलुरु में नौकरी संकट

2024 में 50,000 से ज्यादा आईटी कर्मचारियों की छंटनी

रियल एस्टेट पर भारी असर

बेंगलुरु एजेंसी। बेंगलुरु, जिसे भारत का टेक हब कहा जाता है, अब तक आईटी प्रोफेशनल्स के लिए सबसे पसंदीदा स्थान रहा है। हजारों कर्मचारी यहां पेइंग गेस्ट आवासों और बजट रेंटल अपार्टमेंट्स में रहते हैं लेकिन अब बड़े पैमाने पर छंटनियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव के चलते शहर अपने सबसे गंभीर नौकरी संकट का सामना कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह संकट न केवल टेक कर्मचारियों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि बेंगलुरु के हाउसिंग मार्केट, रियल एस्टेट निवेश और स्थानीय व्यवसायों को भी भारी नुकसान पहुंचा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में 2024 में 50,000 से अधिक लोगों की नौकरी गई है, जिससे रेंटल और रियल एस्टेट बाजार मंदी की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले हफ्तों और महीनों में आईटी सेक्टर में और छंटनी हो सकती है। खासतौर पर कम वेतन वाले कर्मचारियों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। ऐसे कर्मचारी आमतौर पर सस्ते पीजी और बजट रेंटल अपार्टमेंट्स में रहते हैं और कंपनियों द्वारा खर्च कम करने के लिए इन्हें सबसे पहले नौकरी से निकाला जाता है।

रियल एस्टेट बाजार पर संकट

आईटी कर्मचारियों की छंटनी का सीधा असर पीजी और किराये के मकानों की मांग पर पड़ा है। कई पीजी मालिकों और किराये पर संपत्ति देने वाले निवेशकों को अब ऑक्यूपेंसी घटने और रेंटल इनकम कम होने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाहरी रिंग रोड क्षेत्र, जहां टेक पार्क और कॉर्पोरेट ऑफिस बड़ी संख्या में हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। कई निवेशकों ने करोड़ों रुपए लगाकर प्रॉपर्टी खरीदी थी, यह सोचकर कि यहां आईटी प्रोफेशनल्स की लगातार मांग बनी रहेगी लेकिन नौकरियों में कटौती और कर्मचारियों के शहर छोड़ने से मकान खाली हो रहे हैं और संपत्तियों की कीमतें गिर रही हैं।

अमेरिकी मॉडल की तरह पीएम मोदी ने भारत में बचाए 5 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के बाद भारत में भ्रष्टाचार और फर्जी लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें सिस्टम से बाहर करने के लिए कई बड़े कदम उठाए। अब तक लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है जो विभिन्न सरकारी योजनाओं के फर्जी और गैर-मौजूद लाभार्थियों को हटाकर हासिल की गई है। यह जानकारी सरकारी अधिकारियों ने दी। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में लेक्स फ्रिडमैन के साथ अपने पॉडकास्ट में इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सत्ता में आने के बाद उन्हें कई सरकारी योजनाओं में फर्जी लाभार्थियों की मौजूदगी का पता चला। मोदी ने कहा, मैंने देखा कि कई सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ऐसे लोगों द्वारा लिया जा रहा था जो असल में अस्तित्व में ही नहीं थे। मोदी ने बताया कि उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ऐसी योजना पर काम करना शुरू किया जिससे बिना किसी बिचौलिए के और पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे असली लाभार्थियों तक पहुंचे। इसी प्रक्रिया को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के नाम से जाना जाता है। इससे सरकार ने अब तक लाखों करोड़ रुपये की बचत की है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि जब उन्होंने 2014 में पदभार संभाला तो उन्होंने देखा कि भारत में कई फर्जी नामों पर पेंशन और अन्य लाभ दिए जा रहे थे। मोदी ने कहा, कुछ नाम तो ऐसे थे जिन्हें मैंने सिस्टम से हटा दिया और उन नामों के तहत एक करोड़ लोग थे जिनके बारे में हमने पता लगाया कि वे फर्जी थे। उन्होंने बताया कि इसके बाद सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की शुरुआत की जिससे सरकारी धन सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा और बिचौलियों को हटा दिया गया। इसके परिणामस्वरूप भारत ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपये की बचत की है जो अन्यथा गलत हाथों में चला जाता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप जैसे विश्व नेता भी इस प्रक्रिया की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, इससे मुझे भी खुशी होती है क्योंकि हम अपने देश को भ्रष्टाचार और झूठी प्रथाओं से मुक्त कर रहे हैं और मैं इसे खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहा हूं।

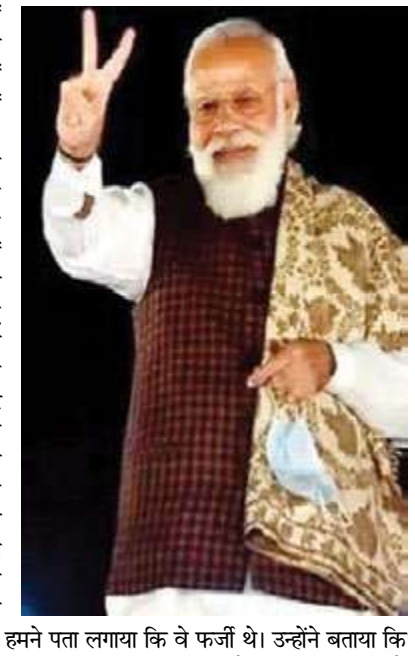

बढ़ जाएंगे आपकी फेवरेट कार के दाम, कंपनियों ने किया कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो जल्दी करें, क्योंकि 1 अप्रैल 2025 से कारों के दाम बढ़ने वाले हैं। मारुति सुजुकी ने अपनी कारों की कीमत में 4 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की है, जो अगले महीने से लागू होगी। टाटा मोटर्स ने भी अपने कमर्शियल वाहनों की कीमत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। अब किआ मोटर्स ने भी 1 अप्रैल से अपनी कारों की कीमत बढ़ाने का फैसला लिया है। नई कीमतों के लागू होने से पहले अगर आप गाड़ी खरीदना चाहते हैं, तो यह सही समय हो सकता है।

क्यों बढ़ रही हैं किआ की कीमतें

किआ की सभी कारों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होने जा रही है। कंपनी ने इस बढ़ोतरी का कारण उत्पादन लागत और सप्लाई चेन में आई चुनौतियों को बताया है। किआ इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हरदीप सिंह बरार ने कहा, हम ग्राहकों को किफायती कीमत पर बेहतरीन क्वालिटी वाली गाड़ियां देने की कोशिश करते हैं लेकिन हाल के दिनों में कच्चे माल की लागत बढ़ने से कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। अगर आप नई किआ कार खरीदने का सोच रहे हैं, तो 31 मार्च 2025 से पहले बुकिंग करना फायदेमंद हो सकता है ताकि आप बढ़ी हुई कीमतों से बच सकें।

एचडीएफसी बैंक में भारत सरकार की वरिष्ठ नागरिक बचत योजना भी उपलब्ध

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज घोषणा की कि वह अब वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) के तहत जमा स्वीकार करेगा, जो बुजुर्गों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित एक बचत साधन है। एचडीएफसी बैंक भारत सरकार के लिए एक एजेंसी बैंक के रूप में कार्य करेगा और ग्राहकों को निर्बाध सेवा प्रदान करते हुए योजना जमा को स्रोत करने में मदद करेगा। सभी पात्र ग्राहक बैंक की किसी भी शाखा में जाकर एससीएसएस के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के लिए पात्र ग्राहकों में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति और 55 वर्ष या उससे अधिक आयु के सेवानिवृत्त व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा रक्षा सेवाओं के सेवानिवृत्त कर्मी भी 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर इस योजना के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। एससीएसएस में निवेश आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत लाभ के लिए पात्र है। यह योजना पांच साल की लॉक-इन अवधि के साथ तिमाही ब्याज भुगतान प्रदान करती है। इसे तीन साल के लिए कई बार बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा एससीएसएस के तहत दी जाने वाली ब्याज दर को सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड-पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग श्री पराग राव ने कहा, ÷एक प्रमुख एजेंसी बैंक के रूप में हम भारत सरकार के प्रमुख राष्ट्रीय लघु बचत योजना कार्यक्रम के तहत एक और योजना पेश करते हुए प्रसन्न हैं। एससीएसएस देश के बुजुर्ग नागरिकों को योजना के तहत दी जाने वाली आकर्षक ब्याज दर के आधार पर एक स्थिर आय स्ट्रीम विकसित करने में मदद करता है। आयकर गणना के लिए धारा 80 सी के नियमों अनुसार छूट के पात्र होना इस योजना का एक अतिरिक्त लाभ है।÷ एससीएसएस बैंक की मौजूदा सरकार समर्थित पेशकशों जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड और सुकन्या समृद्धि खाता योजना का पूरक है। प्रेस सूचना ब्यूरो और भारत सरकार के लेखा महानियंत्रक द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में, एचडीएफसी बैंक द्वारा देश भर में कर संग्रह 10 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, जिससे यह सरकार के लिए शीर्ष तीन एजेंसी बैंकों में शुमार हो गया।

8 के शेयर ने कर दिया हैरान, 1 लाख के निवेश को बना दिया 1.72 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने कई मल्टीबैगर स्टॉक दिए हैं, जिनकी वजह से निवेशकों की संपत्ति पिछले कुछ सालों में कई गुना बढ़ गई है। ऐसा ही एक मल्टीबैगर पेनी स्टॉक है- एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रेवरीज का शेयर। एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रेवरीज के शेयर की कीमत 2014 में 8 प्रति शेयर थी। अब वर्तमान में यह बीएसइ पर 1,380 पर कारोबार कर रहा है। इसका मतलब है कि पिछले 10 सालों में स्टॉक में 1,625 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले इस स्टॉक में 1 लाख लगाए होते और समय के साथ बनाए रखने पर यह आज बढ़कर 1.72 करोड़ हो गया होता।

कंपनी के शेयरों के हाल- बता दें कि मंगलवार को बाजार में तेजी के बावजूद एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज के शेयर में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सुबह 9ः20 बजे, शेयर ने बीएसई पर 1,430.75 के इंट्राडे हाई को छुआ था। पिछले पांच सालों में शेयर में 814.45 प्रतिशत की उछाल के साथ लंबी अवधि के निवेशकों की संपत्ति में कई गुना बढ़ोतरी देखी गई। पिछले एक साल में ही शेयरों में 190.59 प्रतिशत की उछाल आई है। बता दें कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद शेयर ने शानदार रिटर्न दिया है। एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज के शेयर पिछले छह महीनों में 40 प्रतिशत से अधिक और एक महीने में लगभग 35 प्रतिशत चढ़ा है। साल-दर-साल आधार पर, शेयर में 24.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 1,120 से बढ़कर वर्तमान बाजार मूल्य पर पहुंच गया है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे- एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के लिए 327.02 करोड़ की शुद्ध बिक्री की सूचना दी, जो एक साल पहले इसी अवधि में 190.91 करोड़ से 71.29 प्रतिशत अधिक है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 20 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर में बनेगा एक नया इंडस्ट्रीयल एरिया, किसानों को होगा बड़ा फायदा

इंदौर/पीथमपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत इंदौर-पीथमपुर के बीच एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का फैसला लिया गया। यह क्षेत्र इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ा होगा और इसका कुल क्षेत्रफल 1290 हेक्टेयर होगा। इसमें से 1000 हेक्टेयर भूमि किसानों से प्राप्त की जाएगी और इसके लिए भू-अर्जन का काम किया जाएगा। इस औद्योगिक क्षेत्र में इंदौर के 9 और 8 पीथमपुर के गांव आएंगे। किसानों को भूमि के विकसित हिस्से का 60 प्रतिशत मुआवजा दिया जाएगा। यह नया औद्योगिक क्षेत्र आगरा-मुंबई हाईवे और एयरपोर्ट से सीधे जुड़ा रहेगा, जिसके लिए 19.60 किलोमीटर लंबी और 75 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा।

5600 हेक्टेयर भूमि में पौधारोपण किया जाएगा

इसके अलावा, ÷अविरल, निर्मल नर्मदा अभियान÷ के तहत एक विशाल पौधरोपण अभियान शुरू करने का फैसला लिया गया है। इस अभियान के तहत 124.46 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी, जिसे कैंपा मद से उपलब्ध कराया जाएगा। यह अभियान 2024-25 से लेकर 2031-32 तक चलेगा और इसमें नर्मदा नदी के दस किलोमीटर के दायरे में स्थित 12 वन मंडलों के 5600 हेक्टेयर भूमि में पौधरोपण किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी को संरक्षित करना और पर्यावरणीय सुधार करना है।

लाल तुअर खरीदेगी सरकार

वहीं, मध्य प्रदेश सरकार ने इस वर्ष लाल तुअर की खरीद का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार ने तुअर की प्रति क्विंटल कीमत 7650 रुपए तय की है और राज्य सरकार ने इस वर्ष 1 लाख 27 हजार टन तुअर की खरीद का लक्ष्य रखा है। इस निर्णय से तुअर की बोआई को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को उपज का अच्छा मूल्य मिलेगा। वहीं, भोपाल की हुजूर विधानसभा के झागरिया में आयुष्मान का नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) बनाया जाएगा। इस केंद्र के लिए राज्य सरकार ने 4 हेक्टेयर भूमि भारत सरकार को एक रुपये के भू-भाटक पर आवंटित की है। यह केंद्र क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने में मदद करेगा।

31 मार्च तक अनुपूरक बजट का पूरा उपयोग करें

वहीं, कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने अनुपूरक बजट का समय सीमा में पूरा उपयोग करने की बात कही है। कैबिनेट ने विभागवार स्वीकृतियां प्रदान की हैं और 31 मार्च तक इनका खर्च पूरा करने के लिए समय निर्धारित किया है। इस बजट में कुल 11 हजार करोड़ रुपये के कैपिटल और 789 करोड़ रुपये के रेवन्यू फंड की व्यवस्था की गई है। मंत्रियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने विभागों के साथ इन फंड्स की समीक्षा करें और उन्हें निर्धारित समय में खर्च करने का काम करें।

इन प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

कैबिनेट ने माधव नेशन पार्क को टाइगर रिजर्व के रूप में मंजूरी दी। वहीं, ओंकारेश्वर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी की मंजूरी, सीएम पशु पालन विकास योजना का अनुमोदन भी किया। गेहूं उपार्जन की समीक्षा प्रभारी मंत्री को सौंपने का भी फैसला किया गया।

इंदौर में बाल्यावस्था देखभाल व शिक्षा (ECCE) अंतर्गत TLM मेले का आयोजन

इंदौर। इंदौर में 17 मार्च 2025 को विकासखंड इंदौर शहर 1 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE) के अंतर्गत टीएलएम (Teaching Learning Materials) मेला आयोजित किया गया। यह आयोजन माध्यमिक विद्यालय नवीन राजेंद्र नगर में हुआ, जिसकी अध्यक्षता BRC नीरज गर्ग ने की। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक प्रशिक्षण प्रभारी श्रीमती उषा कोचले ने किया, जिसमें इंदौर शहर 1 और इंदौर शहर 2 के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। मेले में शिक्षकों ने अपने द्वारा तैयार किए गए रचनात्मक और शिक्षण प्रक्रिया में सहायक टीएलएम प्रस्तुत किए। BRC नीरज गर्ग ने टीएलएम की उपयोगिता पर शिक्षकों से चर्चा की और बताया कि यह बच्चों के सीखने के तरीके को सरल और रोचक बनाता है, जिससे बच्चों का कक्षा में ध्यान आकर्षित होता है। इसके बाद श्रीमती उषा कोचले ने टीएलएम के महत्व और इसके निर्माण पर विस्तृत रूप से बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि कम खर्च

में भी रचनात्मक टीएलएम तैयार किया जा सकता है और बच्चों का सहयोग कैसे लिया जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि टीएलएम बच्चों की रुचि को जागृत करता है और उनकी सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। ECCE की मास्टर ट्रेनर श्रीमती उर्मिला सर कानूनगो ने बालकों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया और बच्चों में रचनात्मक, संज्ञानात्मक, भाषा कौशल, सौंदर्य और शारीरिक विकास जैसी पांच प्रमुख कौशलों के महत्व पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में विकासखंड शहर 1 से बीएससी राकेश द्विवेदी और विपिन कुचिया भी उपस्थित थे। इस मेले का उद्देश्य बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण, आनंदमयी और भयमुक्त शिक्षण वातावरण का निर्माण करना था, जिससे उनके समग्र विकास में मदद मिल सके।

डॉक्टर के साथ हाथापाई, तीन दिनों बाद भी कार्रवाई नहीं

इंदौर (नप्र)। मदरहुड हॉस्पिटल में मरीज के अटेंडर द्वारा डॉक्टर के साथ बदसलूकी किए जाने को लेकर डॉक्टरों में भारी आक्रोश है। मंगलवार को इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (इंदौर) के 60 से अधिक डॉक्टरों ने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से मुलाकात की। उन्होंने अब तक कोई कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई एवं डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग की। घटना 16 मार्च की है। हॉस्पिटल में भर्ती एक नवजात की तबीयत ठीक नहीं थी, जिसके चलते परिजनों ने सीनियर डॉक्टर गौरव मोगरा को बुलाया। रविवार की छुट्टी होने के कारण डॉ. मोगरा किसी पारिवारिक कार्यक्रम में जाने की तैयारी में थे, लेकिन फिर भी वे अपनी पत्नी के साथ अस्पताल के पीआईसीयू में नवजात को देखने पहुंचे। इस दौरान लिफ्ट के बाहर भीड़ थी।

बिजली उपभोक्ताओं को मिली 149 करोड़ की सब्सिडी

इंदौर (नप्र)। प्रदेश शासन की अटल गृह ज्योति योजना के तहत बिजली कंपनी ने पिछले एक माह के दौरान मालवा-निमाड़ के 15 जिलों के 33 लाख 49 हजार उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ दिया है। कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार इन उपभोक्ताओं को 149 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। मप्र शासन की इस महत्वपूर्ण योजना के तहत घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट तक दी जाती है। सौ यूनिट से 150 यूनिट तक खपत होने पर 100 यूनिट के बाद प्रचलित दर से बिल तैयार होता है। तीस दिन के अंतराल में 150 यूनिट कुल खपत या प्रतिदिन पांच यूनिट औसत खपत से ज्यादा होने पर उस माह की सब्सिडी प्रदान नहीं की जाती है। बिजली कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार पिछले एक माह के दौरान मालवा-निमाड़ में 33 लाख 49 हजार उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित किया गया है।

लाभान्वित उपभोक्ताओं के बिल में 560 रूपए की अधिकतम सब्सिडी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत पिछले एक माह में इंदौर जिले में करीब 5.15 लाख उपभोक्ता योजना से लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले के उपभोक्ताओं को बीस करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसी तरह धार जिले में 3.40 लाख, उज्जैन जिले में 3.11 लाख, खरगोन जिले में 2.93 लाख, रतलाम जिले में 2.53 लाख, मंदसौर जिले में 2.33 लाख, देवास जिले में 2.28 लाख एवं अन्य जिलों खंडवा, बड़वानी, नीमच, शाजापुर, आगर, झाबुआ, बुरहानपुर, आलीराजपुर में 90 हजार से लेकर 1.90 लाख उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना के अंतर्गत सब्सिडी प्रदान की गई है।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष में देवगढ़ में रंग पंचमी मेले का शुभारंभ हुआ

देवगढ़ एवं क्षेत्र के आसपास से 10000 से अधिक जनसंख्या जिसमें महिला पुरुष बच्चे वृद्ध जवान सभी वर्ग के लोगों ने मेले में भाग लिया इस अवसर पर मान्यता एवं परंपरा के अनुसार जीवन सिंह को मेघनाथ महाराज आते हैं उनको 21 फीट ऊंचा खंबे पर तीन से पांच बार तक घुमाया जाता है इस बार पांच बार घुमाया गया जितनी अधिक बार घुमाया जाता है जब घूमते हैं उतना वर्ष आने वाला अच्छा रहता है ऐसी मान्यता है वही मन्नत

करने वाले महिला पुरुष जलते हुए अंगारे पर भी चलते हैं 100 वर्ष से अधिक चली आ रही इस परंपरा में ग्राम के जागीरदार भगवान सिंह जादौन रूप सिंह जादौन रविंद्र प्रताप सिंह जादौन शिवपाल सिंह द्वारा गर्ल महाराज को कपड़े साफा एवं श्रीफल के साथ सम्मान किया गया वही मन्नत मानने वाले कई महिला पुरुष अंगारों पर भी चले व्यवस्था में हाटपिपलिया पुलिस एवं ग्राम पंचायत देवगढ़ एवं ग्रामीण युवकों द्वारा संचालन किया गया।

गड़बड़ा सकती है आर्थिकी

तमिलनाडु का धरमपुर रेशम के लिए मशहूर है। यहां सालाना लगभग 17 लाख टन रेशम कोकून की पैदावार होती है। पिछले कुछ हफ्तों में जिले भर में कोहरे और खराब जलवायु परिस्थितियों ने ऐसा डेरा डाला कि कोकून की कीमत में भारी वृद्धि हो गई। फरवरी के दूसरे हफ्ते में इसके दाम 857 प्रति किग्रा. दर्ज किए गए जबकि इस समय औसत कीमत 520 रुपये से अधिक नहीं होती।

आम तौर पर इस समय इलाके का मौसम खुला रहता है लेकिन इस बार गहने कोहरे और पाले से कोकून में नमी आ गई। इसके चलते अच्छी गुणवत्ता वाले रेशम का संकट दिखने लगा और दाम चढ़ गए। बदलते मौसम का असर शहतूत के पेड़ों पर भी देखा गया। विदित हो रेशम के कीड़ों का आहार शहतूत ही होता है। मंडी में आवक काम और दाम ज्यादा होने से बुनकर भी परेशान हैं। धर्मपुरी का रेशम तो एक उदाहरण भर है कि किस तरह समय से पहले गर्मी आने का व्यापक कुप्रभाव समाज पर पड़ रहा है। प्रवासी पक्षियों का पहले लौटना, सड़क के कुत्ते और अन्य जानवरों के व्यवहार में अचानक उग्रता और रबी की फसल की पौष्टिकता में कमी, कुछ और ऐसे कुप्रभाव हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे यहां दिखने लगे हैं। इस साल इतिहास में तीसरा सबसे गर्म जनवरी और फरवरी रहा। जनवरी में देश में बारिश 70% कम रही। पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी 80% तक कम रही। फरवरी के आखिरी हफ्ते में विदर्भ से ले कर तेलंगाना तक 40 की तरफ दौड़ते तापमान ने लू का अहसास करवा दिया। मार्च के दूसरे हफ्ते में ऐन होली पर बरसात और ओलावृष्टि ने फसल का नुकसान दुगुना कर दिया। उसके बाद फिर गर्मी तेवर दिखा रही है।

जलवायु परिवर्तन

पंकज चतुर्वेदी

मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन हफ्तों में देश के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उत्तराखंड के पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ में इस वर्ष पिछले 10 वर्षों में सबसे कम बर्फबारी दर्ज की गई है। इस बार सर्दियों में यहां सिर्फ दो फीट बर्फबारी हुई है, जो बीते वर्षों के मुकाबले काफी कम है। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है, क्योंकि इससे न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी प्रभावित होगी, बल्कि जल स्रोतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बीते 10 वर्षों में केदारनाथ में बर्फबारी का पैटर्न बदलता दिखा है। जहां 2015 में आठ फीट बर्फ गिरी थी, वहीं 2025 में यह घट कर मात्र दो फीट रह गई है। कम बर्फबारी और जल्द गर्मी से ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे और गंगा-यमुना जैसी नदियों का जल प्रवाह प्रभावित होगा। केदारनाथ क्षेत्र में पाई जाने वाली दुर्लभ वनस्पतियां और वृक्ष कम बर्फबारी के कारण प्रभावित हो सकते हैं। इससे इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर

नकारात्मक असर पड़ेगा। कम बर्फबारी का मतलब है कि गर्मियों में जल स्रोतों में कमी आएगी जिससे पानी की किल्लत हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन का असर किस कदर पहाड़ों पर है, इसका उदाहरण इन दिनों धौलछीना के इर्द-गिर्द और बिनसर अभयारण्य के जंगलों में साफ दिख रहा है। पहाड़ में अक्सर फरवरी के दूसरे पखवाड़े से मार्च में खिलने वाला बुरांस का फूल इस बार जनवरी में ही खिल गया था। इससे लोग हैरत में हैं और मौसम चक्र में परिवर्तन को इसकी वजह मानते हैं। जंगलों में कई जगह काफल फरवरी में ही पकने लगा था। आम तौर पर पहाड़ के जंगलों में बुरांस का फूल 15 मार्च के बाद भी खिलता है। इसके बाद ही मार्च के दूसरे पखवाड़े और अप्रैल में काफल पकता है। मगर अब प्रकृति अपना अलग रंग दिखा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस बार जनवरी के पहले पखवाड़े से ही धौलछीना के आसपास तथा बिनसर अभयारण्य के जंगलों में बुरांस खिल गया । ठीक इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी बुरांस और काफल समय से बहुत पहले जनवरी में फल-फूल गए। जलवायु बदलाव का असर असम के धुबरी जिले में अजीब ही तरह से देखा जा रहा है। यहां बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में अचानक हिल्सा मछलियों की संख्या बढ़ती देखी जा रही है, जो जनवरी-फरवरी के महीनों में अस्वाभाविक है। वास्तव में इसका समय मई, जून, जुलाई और अगस्त होता है। विदित हो कि हिल्सा मछलियां समुद्र के मुहाने से अक्टूबर में ब्रह्मपुत्र नदी में अंडे देने के लिए बंगाल की खाड़ी से आती हैं। हालांकि, मौसम और प्रकृति में अस्वाभाविक परिवर्तन और ब्रह्मपुत्र नदी के धीरे-धीरे सूखने के कारण हिल्सा मछलियां इस साल जनवरी के अंत से नदी में चढ़ने लगी हैं।

पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े में होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है। सब्जी भी गर्मी के प्रकोप से बची नहीं रही। मिर्च, टमाटर, बैंगन, भिंडी जैसी सब्जी फसलों में भी माहू का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही अब खेत के करीब की सड़कों से निकलना मुश्किल है क्योंकि वाहनों की रोशनी होते ही माहू कीट के घने झुंड आ जाते हैं। कीट से बचने के लिए यदि किसान कीटनाशक का इस्तेमाल करता है, तो एक तो लागत बढ़ती है, दूसरा, गुणवत्ता भी प्रभावित होती है ।

कश्मीर में गर्मी के कारण सेब फल से ले कर केसर तक की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। वहां जमीन शुष्क है, और तालाब-झरने सूख गए हैं। उधर केरल के लिए चेतावनी है कि आम तौर पर मार्च-अप्रैल में आने वाली हीटवेव जैसी स्थिति इस साल राज्य में पहले ही आ गई। जनवरी के आखिरी सप्ताह में कन्नूर में दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस और कोट्टायम में 36.5 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। आईएमडी ने भी चेतावनी जारी की है कि तापमान में वृद्धि जारी रहेगी जो केरल के जलवायु पैटर्न में चिंताजनक बदलाव को दर्शा रहा है। मौसम के बदलते मिजाज से आम लोगों की रोजी-रोटी के साधन, व्यवहार और स्वास्थ्य, तीनों प्रभावित हो रहे हैं। वैसे तो हर राज्य ने जलवायु परिवर्तन से निबटने की दसवर्षीय कार्य योजनाएं बना रखी हैं, लेकिन फिलहाल उनके असर जमीन पर कहीं नहीं दिख रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े में होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है

स्वयं के निर्माता

श्रीराम शर्मा आचार्य

आप सरल मार्ग को अपनाइए, लड़ने, बड़बड़ाने और कुढ़ने की नीति छोड़ कर दान, सुधार, स्नेह के मार्ग का अवलंबन लीजिए। एक आचार्य का कहना है, 'प्रेम भरी बात, कठोर लात से बढ़ कर है।' हर एक मनुष्य अपने अंदर कम या अधिक अंशों में सात्विकता को धारण किए रहता है। आप अपनी सात्विकता को स्पर्श करिए और उसकी सुप्तता में जागरण उत्पन्न कीजिए। जिस व्यक्ति में जितने सात्विक अंश हैं, उन्हें समझिए और उसी के अनुसार उन्हें बढ़ाने का प्रयत्न कीजिए। अंधेरे से मत लड़िए वरन प्रकाश फैलाइए, अधर्म बढ़ता दीखता हो, तो निराश मत हूजिए वरन धर्म प्रचार का प्रयत्न कीजिए। बुराई को मिटाने का यही एक तरीका है कि अच्छाई को बढ़ाया जाए। आप चाहते हैं कि इस बोतल से हवा निकल जाए, तो उसमें पानी भर दीजिए। बोतल में से हवा निकालना चाहें पर उसके स्थान पर कुछ भरें नहीं तो आपका प्रयत्न बेकार जाएगा। एक बार हवा को निकाल देंगे, दूसरी बार फिर भर जाएगी। गाड़ी जिस स्थान पर खड़ी है, वहीं खड़ी रखना पसंद नहीं करते, तो उसे खींच कर आगे बढ़ा दीजिए, आपकी इच्छा पूरी हो जाएगी। आप गाड़ी को हटाना चाहें, पर उसे आगे बढ़ाना पसंद न करें, इतना मात्र संतोष कर लें कि कुछ क्षण के लिए पहियों को ऊपर उठाए रहेंगे, उतनी देर तो स्थान खाली रहेगा, पर जैसे ही उसे छोड़ेंगे, वैसे ही वह जगह फिर घिर जाएगी। संसार में जो दोष आपको दिखाई पड़ते हैं, उनको मिटाना चाहते हैं, तो उनके विरोधी गुणों को फैला दीजिए। आप गंदगी बटोरने का काम क्यों पसंद करें? उसे दूसरों के लिए छोड़िए। आप तो इत्र छिड़कने के काम को ग्रहण कीजिए। समाज में मृत पशुओं के चमड़े उधेड़ने की भी जरूरत है पर आप तो प्रोफेसर बनना पसंद कीजिए। ऐसी चिंता न कीजिए कि मैं चमड़ा न उधेडूंगा तो कौन उधेड़ेगा? विश्वास रखिए, प्रकृति के साम्राज्य में उस तरह के भी अनेक प्राणी मौजूद हैं। अपराधियों को दंड देने वाले स्वभावतः आवश्यकता से अधिक हैं। आप तो जो उच्च दार्शनिक ज्ञान आपको प्राप्त हुआ है, इसे विद्वान, प्रोफेसर की भांति पाठशाला के छोटे-छोटे छात्रों में बांट दीजिए।

रीडर्स मेल

नगीना बाई की सराहनीय पहल

कन्या भ्रूण हत्या रोकने और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में पार्षद किन्नर नगीना बाई की पहल सराहनीय है। वे हनुमानगढ़ में जन्म लेने वाली बेटियों के नाम इक्यावन सौ रुपये की एफडी करवा रही हैं। अब तक 51 कन्याओं की एफडी करवा चुकी हैं। वे पढ़-लिख कर मेहनत से सरकारी नौकरी हासिल करने वाली बेटियों को इक्यावन सौ रुपये की माला पहना कर सम्मानित भी करती हैं। बालिका के प्रति भेद-भाव मिटाने और अन्य बेटियों को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए यह सकारात्मक पहल है। समाज में ऐसी ही पहल रंग लाती हैं। बेशक, नगीना बाई की यह पहल अन्य किन्नरों और बाकी समाज को भी प्रेरित करेगी कि वे बेटियों की प्रगति के लिए माकूल माहौल तैयार करने में सहयोग दें। इससे लोग लैंगिक आधार पर बेटियों के साथ भेद-भाव करने से भी परहेज करेंगे ।

हेमा हरि उपाध्याय, 'अक्षत', उज्जैन

पान ही नहीं शरीर के लिए भी फायदेमंद है चूना

- चूना लगाना गुड बुक्स का जुमला नहीं है। लेकिन यही चूना जब जीभ के रास्ते शरीर में प्रवेश करता है तो कई बीमारियों को 'चूना' लगा देता है। ऐसा हमारी 'दादी मां के नुस्खे' भी कहते हैं, नैचुरोपैथी भी और आयुर्वेद भी
- कैल्शियम ऑक्साइड (सीएओ) को जब पानी में मिलाया जाता है, तो यह बुझा हुआ चूना (कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड) बन जाता है। इसे लाइम वॉटर भी कहते हैं। पान, सुपारी, तंबाकू के साथ भी चूना खाया जाता है
- चूना साउथ ईस्ट एशिया में मिलता है। इंडोनेशिया के द्वीप समूह, पापुआ और उनके आसपास के इलाकों में बहुतायत में पाया जाता है

स्रोत : मीडिया इनपुट्स

खबरें हैं कि मोदी सरकार ने उद्योग क्षेत्र से ऐसे उत्पादों की पहचान करने कहा है जिन्हें चीन की बजाय अमेरिका से तरजीही आधार पर आयात किया जा सके। बड़ी विचित्र बात है क्योंकि चीनी उत्पाद सस्ते पड़ते हैं, और चीन सर्वाधिक सस्ते कच्चे माल का स्रोत है। अमेरिका इस मामले में चीन से अभी पीछे है। यह समझना कोई मुश्किल काम नहीं है।

एम.के. वेणु, पत्रकार
@mkvenu1

सनी ने थामा भोजपुरी सिंगर का हाथ

सनी लियोनी की जोड़ी भोजपुरी सुपरस्टार के साथ जमी है। वह एक्टर खेसारी लाल यादव या पवन सिंह नहीं हैं। जानते हैं कौन है फिर? सनी लियोनी की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है।

बॉलीवुड के कई स्टार्स के साथ वह काम कर चुकी हैं। मगर, इस बार उन्होंने बॉलीवुड एक्टर का हाथ थामा है। और वह एक्टर पवन सिंह या खेसारी लाल यादव नहीं हैं। वह एक्टर है नीलकमल सिंह। जी हां, सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का गाना लड़की दीवानी आज मंगलवार को रिलीज हुआ है।

यूट्यूब पर ट्रेंड हुआ गाना

सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का गाना टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। और यह जबर्दस्त तरीके से ट्रेंड कर रहा है। इसे कुछ ही घंटों में करीब पांच लाख व्यूज मिल गए हैं। इस गाने को नीलकमल सिंह ने गाया है। इसके लिरिक्स आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं।

नीलकमल ने सनी को सिखाई भोजपुरी

गाने में सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है।

अयान मुखर्जी ने प्रार्थना सभा में पैपराजी से प्राइवेसी का किया अनुरोध, कहा- ये दुर्गा पूजा नहीं

फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी ने अपने पिता दिग्गज अभिनेता देब मुखर्जी के निधन पर मंगलवार को एक प्रार्थना सभा रखी। इस दौरान वह पैपराजी से प्राइवेसी बनाए रखने का अनुरोध करते हुए नजर आए। फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी के पिता दिग्गज अभिनेता देब मुखर्जी का 14 मार्च को मुंबई में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी। दिवंगत अभिनेता के अंतिम संस्कार में कई दिग्गज शामिल हुए। मंगलवार को अयान मुखर्जी ने मुंबई के अंधेरी स्थित फिल्मालय स्टूडियो में अपने दिवंगत पिता के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की। फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी प्रार्थना सभा के दौरान दुखी नजर आए। वह इस कठिन समय में पैपराजी से उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हुए देखे गए, उन्हें यह याद दिलाते हुए कि यह एक निजी कार्यक्रम है, दुर्गा पूजा नहीं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अयान को यह कहते हुए सुना गया, अंदर बहुत कमर्शियल होगा, लेकिन यह एक प्रार्थना सभा है। अगर आपको लग रहा है कि अच्छे शॉट्स नहीं मिल रहे हैं, तो आई एम सॉरी, हमारे लिए आज ऐसा ही ठीक है।

साइंस और गणित के छात्रों की तरह ह्यूमैनिटीज में भी हैं कई करियर विकल्प

ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास बहुत सारे करियर ऑप्शन हैं। अगर आप भी ह्यूमेनिटीज के छात्र हैं और अपने लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी मदद करेगा। इस आर्टिकल में हमने कई सारे टॉप करियर ऑप्शन के बारे में बताया है।

ह्यूमेनिटीज क्षेत्र के छात्रों के पास भी साइंस और गणित के छात्रों की तरह कई करियर विकल्प होते हैं, जिनमें उन्हें अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार चुनने का विकल्प होता है। ये छात्र शिक्षा, जर्नलिज्म आदि में अपना करियर बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें उनकी सामाजिक समझ, कम्युनिकेशन स्किल, और क्रिएटरनेस का उपयोग करना पड़ता है। आइए जानते हैं इन जॉब्स के बारे में।

जर्नलिज्म

जर्नलिज्म को देश का चौथा पिलर माना जाता है। डिजिटलीकरण के बाद से इसमें पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। अगर आपकी जर्नलिज्म में रूचि है तो आप इस क्षेत्र में जरुर जाएं। आप न्यूज़ रिपोर्टर, फीचर राइटर, एडिटर, मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट, संवाददाता या न्यूज एंकर बनकर अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं।

लॉ

लॉ बहुत ही प्रेस्टीजियस फ़ील्ड में से एक है। आप एलएलबी करने के बाद विभिन्न फर्म, कंपनियों और गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन में लीगल कंसल्टेंट बन सकते हैं। अपनी स्पेशलाइजेशन के साथ आप लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं और क्लाइंट को विभिन्न समस्याओं पर सलाह दे सकते हैं। आप वकील के रूप में कोर्ट में भी वकालत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी परीक्षा की तयारी करके जज बनना भी एक बहुत अच्छा विकल्प है ।

टीचिंग

टीचिंग की जॉब एक बहुत ही अच्छी जॉब होने के साथ-साथ बहुत सम्माननीय जॉब भी होती है। यह एक चुनौतीपूर्ण करियर भी है, जिसमें आपको एजुकेशन के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करना पड़ता है। भारत में योग्य शिक्षकों की मांग सभी स्तरों पर बहुत ज्यादा है। अगर आपकी रुचि भी शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्र में है तो आप एक टीचर बनकर बच्चे जो देश का भविष्य होते हैं उन्हें सही मार्ग दिखाकर देश की प्रगति में सहयोग कर सकते हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

ह्यूमन रिसोर्स एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लोगों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और संगठन की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए योगदान देना चाहते हैं। इसमें आप लोगों के मैनेजमेंट, विकास, और कार्यसंगठन से संबंधित काम करते हैं।

मास कम्युनिकेशन

मास कम्युनिकेशन विभिन्न माध्यमों के माध्यम से संचार की प्रक्रिया को समझने और समाचार, सूचना, और विचारों को साझा करने में मदद करता है। आप रेडियो जॉकी, विज्ञापन और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, फिल्म और टेलीविजन निर्माता या डायरेक्टर बनकर इस फील्ड में काम कर सकते हैं।

एडवरटाइजिंग

अपने किसी भी नए प्रोडक्ट को मार्केट में लाना हो या पुराने के बारे में भी कोई जानकारी देनी हो तो एडवरटाइजिंग सबसे बेस्ट तरीका होता है। इसीलिए इस फील्ड में बहुत स्कोप है। इसमें आपके प्रभावी ढंग से लिखने और बोलने की क्षमता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है। आप एडवरटाइजिंग मैनेजर बनकर अभियानों के लिए योजनाओं का फ्रेमवर्क तैयार करने का काम करते हैं।

राइटिंग और एडिटिंग

राइटिंग कोई नया फील्ड नहीं है जिसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी देने की जरूरत है लेकिन यह फील्ड इतना बड़ा है कि इसमें ना तो कभी जॉब्स की कमी होती है और ना ही कभी इंसान बोर हो सकता है अगर आपको लिखने में रूचि है तो आप कॉपीराइटर और कंटेंट व्राइटर बनकर कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, वेबसाइटों, ब्लॉगों, या ई-कॉमर्स साइटों के लिए कंटेंट लिख सकते हैं। आप प्रेस एजेंट और पब्लिक रिलेशन्स व्राइटर के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप प्रोफेशनल लेखक बनकर किताब, आर्टिकल और मैगजीन लिखने का काम कर सकते हैं।
पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन - ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास अक्सर अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होती हैं। जिससे उनके लिए पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन या मार्केटिंग में करियर बनाना आसान हो जाता है। आप विज्ञापन एजेंसियों, पब्लिक रिलेशन फर्मों या कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभागों जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

एमसीए करने के 5 बड़े फायदे

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह डिग्री आपको कंप्यूटर एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कई तरह की प्रोग्रामिंग भाषाओं की गहन समझ हासिल करने में मदद करती है। साथ ही साथ सैद्धांतिक और प्रैक्टिकल स्किल भी प्रदान करती है। ऐसे में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) करना एक शानदार फैसला साबित हो सकता है।

एडवांस्ड नॉलेज

एमसीए कार्यक्रम में स्पेशल कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शामिल हैं। आप डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म से लेकर नेटवर्क सिक्योरिटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक नवीनतम तकनीकों में गहन ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल करेंगे। यह विशेष ज्ञान न सिर्फ आपकी तकनीकी क्षमताओं को निखारता है बल्कि आपको कठिन रोजगार बाजार में एक मूल्यवान उम्मीदवार बनाता है।

करियर ग्रोथ

आज के डिजिटल युग में कंपनियों में योग्य आईटी कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एमसीए की डिग्री आपको आकर्षक नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने और तेजी से कैरियर में ग्रोथ करने में सक्षम बनाती है। चाहे आपका सपना प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, कंप्यूटर विश्लेषक या फिर प्रोग्राम आर्किटेक्ट या आईटी सलाहकार ही बनना हो। इन सबके अलावा एमसीए आपको करियर के कई अन्य मौके भी देता है।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री

एमसीए की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो छात्रों को देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर तलाशने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। चाहे आपके कैरियर के लक्ष्य सरकारी संगठनों, तकनीक-आधारित स्टार्टअप्स ही क्यों न हों।

इंडस्ट्री के अनुसार

एमसीए को इंडस्ट्री को ध्यान में रखकर बनाया गया है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल रखने के लिए छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे सूचना सुरक्षा, ऑनलाइन कंप्यूटिंग, मशीन के एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में जानने का मौका मिलता है। आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में एमसीए की डिग्री रखने से काफी फायदा होता है क्योंकि कंपनियां आधुनिक कौशल और दक्षता को बहुत महत्व देती हैं।

नेटवर्किंग के अवसर

एमसीए करने से आपको शिक्षकों, अन्य छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध बनाने के कई मौके मिलते हैं। बिजनेस वर्कशॉप, इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर्स, पूर्व छात्र सम्मेलन या अन्य माध्यमों से छात्रों को ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है जो उन्हें महत्वपूर्ण सलाह, करियर संबंधी सुझाव और मार्गदर्शन दे सकते हैं। एक मजबूत प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करना न केवल आपको अच्छी नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में दिलचस्प करियर के द्वार भी खोलता है।

मुझे अपनी क्षमता पर पुरा भरोसा :श्रेयस

नई दिल्ली (भाषा)। उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला।

पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें 'मौन नायक' करार दिया। शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने कहा, 'शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत, क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था।' पिछले आठ वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाये हैं।

उन्होंने कहा, 'खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखा।'

खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका

पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था। श्रेयस की कप्तानी में केकेआर ने आईपीएल जीता और फिर उन्होंने भारतीय वनडे टीम में वापसी की।

इस आईपीएल सत्र से पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे श्रेयस ने कहा, 'मैने अपनी प्रक्रिया सरल रखी। ज्यादा सोचा नहीं और ईमानदारी से काम करता रहा। मुझे भरोसा था कि मेरी ईमानदारी और प्रदर्शन फिर मुझे मौका दिलायेगा।' उन्होंने कहा,'इस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैने अपने कौशल पर और मेहनत की। मैं नतीजे से खुश हूं क्योंकि इसके पीछे काफी मेहनत की गई है। कोच प्रवीण आम्रे सर से लेकर ट्रेनर सागर तक सभी ने मेहनत की। इन दोनों ने मुझे वह ताकत पैदा करने में मदद की जो अब मेरी बल्लेबाजी में दिखती है।'

श्रेयस ने यह भी कहा कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी में सहज महसूस करते हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में उन्होंने भारत के लिये पांच मैचों में सर्वाधिक 243 रन बनाये। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं चौथे नंबर पर सबसे सहज हूं। विश्व कप 2023 हो या चैम्पियंस ट्रॉफी, मैने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी का पूरा मजा लिया है।'

संक्षिप्त खबरें

कबड्डी विश्व कप में भारत ने इटली को हराया

बर्मिंघम। गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने कबड्डी विश्वकप 2025 में इटली को हराकर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। वॉल्वरहैम्प्टन में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में भारत ने ग्रुप बी के मैच में इटली को 64-22 से करारी मात दी। इस जीत के साथ भारत दो अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने वेल्स को 63-43 से हराया और ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम अगले मैच में स्कॉटलैंड से भिड़ेगी। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें इंग्लैंड में शुरू हुए कबड्डी विश्व कप 2025 में अपने खिताब को बरकरार रखना चाहेंगी। यह टूर्नामेंट ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स के चार शहरों बर्मिंघम, कोवेंट्री, वॉल्सॉल और वॉल्वरहैम्प्टन में आयोजित किये जाएंगे।

महिलाओं की अंडर-23 वनडे ट्रॉफी में शेफाली ने हैट्रिक लगाई

गुवाहाटी। भारत की आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने महिलाओं की अंडर-23 वनडे ट्रॉफी में हरियाणा के लिये खेलते हुए कर्नाटक के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल में हैट्रिक लगाई। भारतीय टीम से बाहर शेफाली ने सलोनी पी और सौम्या वर्मा को 44वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर आउट किया और 46वें ओवर की पहली गेंद पर नमिता डिसूजा का विकेट लिया। उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये। उनके इस प्रदर्शन से हरियाणा ने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। महिला प्रीमियर लीग में शेफाली की टीम दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीसरा फाइनल हार गई। शेफाली ने टूर्नामेंट में नेट स्किवेर ब्रंट, एलिसे पैरी और हीली मैथ्यूज के बाद सर्वाधिक रन बनाये।

अभिषेक ने जीता स्वर्ण

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक और बालिका जूडो प्रतियोगिता में पहले दिन सौ किग्रा से अधिक भार वर्ग में लखनऊ के अभिषेक यादव ने स्वर्ण पदक जीता। केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित अटल बिहारी वाजपेयी क्रीड़ा संकुल में मंगलवार से शुरू हुई प्रतियोगिता में अभिषेक ने रोमांचक मुकाबले में वाराणसी के हर्षित को मात दी। मुरादाबाद के वैभव चौधरी और मेरठ के सलमान को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने किया। इस मौके पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना, सुधीर हलवासिया, उत्तर प्रदेश जूडो संघ के सचिव मुनव्वर अंजार सहित खेल विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बालिका वर्ग में 52 किग्रा भार वर्ग में मेरठ की रिया कश्यप ने शानदार खेल दिखाया और स्वर्ण पदक जीता। वाराणसी की खुशबू को रजत मिला। प्रयागराज की अमृता सिंह और देवीपाटन की अंजली शुक्ला को कांस्य पदक मिला। 78 किग्रा से अधिक भार वर्ग में सहारनपर की वर्तिका ने स्वर्ण और झांसी की अनन्या ने कांस्य पदक जीता।

महिला वनडे विश्व कप के लिए बीसीसीआई बनाएगा आयोजन समिति

नई दिल्ली (भाषा)। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की कोलकाता में 22 मार्च को होने वाली आपात बैठक में महिला वनडे विश्व कप के लिये आयोजन समिति का गठन किया जाएगा और इस साल होने वाले टूर्नामेंट के लिये वेन्यू का भी चयन किया जाएगा। बैठक गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच ईडन गार्डस पर होने वाले आईपीएल के पहले मैच के दौरान होगी।

बीसीसीआई ने पिछली बार 2013 में महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी। बैठक के एजेंडे में महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिये आयोजन समिति का गठन और टूर्नामेंट के आयोजन स्थलों पर चर्चा शामिल है। भारतीय टीम दो बार 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन जीत नहीं सकी। शीर्ष परिषद 2025-26 घरेलू सत्र के ढांचे को भी अंतिम रूप देगी।

भारत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करनी है जिसके लिये मैचों के आयोजन स्थलों पर भी फैसला लिया जाएगा। नये पदाधिकारियों के आने के बाद बोर्ड के बैंक खातों पर हस्ताक्षर के लिये अधिकृत व्यक्ति के नाम को भी मंजूरी दी जाएगी।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीसीसीआई से आईपीएल के दौरान सभी तरह के तंबाकू और अल्कोहल के प्रचार पर रोक लगाने के लिये कहा था। यह मसला भी बैठक में रखा जायेगा जिसमें तंबाकू और क्रिप्टो करेंसी से जुड़ा प्रायोजन भी शामिल है।

तंबाकू, क्रिप्टो प्रायोजन बंद

एससी बेंगलुरु ने रियल कश्मीर को हराया

बेंगलुरु (भाषा)। एससी बेंगलुरु ने डिफेंडर सनातोम्बा सिंह के 60वें मिनट में बाहर हो जाने के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अंतिम आधे घंटे के हमलों को कुशलता पूर्वक झेलते हुए रियल कश्मीर एफसी के खिलाफ 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। मध्यांतर तक दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं। बेंगलुरु की तरफ से थॉम्या शिमरे (पांचवें मिनट) ने पहला गोल किया, लेकिन ग्नोहेरे क्रिजो (12वें मिनट, 32वें मिनट) ने रियल कश्मीर को बढत दिला दी।

श्रवण शेट्टी (36वें) ने एससी बेंगलुरु की तरफ से बराबरी का गोल किया जबकि फस्लुरहमान मेथुकायिल ने 48वें मिनट में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए विजयी गोल दागा।

इस जीत ने एससी बेंगलुरु को 19 मैचों में 20 अंकों के साथ आइजोल एफसी से ऊपर 10वें स्थान पर पहुंचा दिया। रियल कश्मीर 19 मैच में 32 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराकर बढ़त बनाई

डुनेडिन (एपी)। टिम सीफर्ट ने 22 गेंदों में 45 रन और फिन एलन ने 16 गेंद में 38 रन बनाये जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां बारिश से प्रभावित दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को 15 ओवर का कर दिया गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 135 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान सलमान अली आगा ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। उनके अलावा शादाब खान ने 26 और शाहीन शाह अफरीदी ने नाबाद 22 रन का योगदान दिया। इसके बाद अफरीदी ने न्यूजीलैंड की पारी का पहला ओवर मेडन किया। लेकिन इसके बाद सीफर्ट और एलन ने आक्रामक रवैया अपनाया और अगली 12 गेंदों में से सात पर छक्के लगाए।

इससे न्यूजीलैंड ने 11 गेंद से रहते ही पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। उसने इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से बढत बना ली है। सीफर्ट और एलन ने पांच-पांच छक्के लगाए। मिचेल हे ने नाबाद 21 रन बनाए जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल (05) ने जहानदाद खान की गेंद पर विजयी चौका लगाकर न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 137 रन तक पहुंचाया।

तीसरा महिला टी-20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

डुनेडिन (वार्ता)। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मंगलवार को तीसरा महिला टी-20 मैच भारी बारिश के कारण बेनतीजा रहा। इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हो गई। यूनिवर्सिटी ओवल में श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के लिए सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। चामरी अट्टापटू ने सूजी बेट्स को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। बेट्स ने 28 गेंदों पर 31 रन बनाये। बारिश के कारण खेल रोकने के समय जॉर्जिया प्लिमर (नाबाद 46) और इजी शार्प (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थी और न्यूजीलैंड ने 14.1 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन बनाये थे। श्रीलंका की इनोशी प्रियदर्शनी, कविशा दिलहारी और चामरी अट्टापटू ने एक-एक विकेट झटका

पाकिस्तान के खुशदिल पर न्यूजीलैंड के खिलाड़ी को कंधा मारने पर जुर्माना

वेलिंगटन। पाकिस्तान के हरफनमौला खुशदिल शाह को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना भरना पड़ा और उन पर तीन डिमेरिट अंक भी लगाये गए। खुशदिल रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के दौरान एक रन लेते समय गेंदबाज जाक फोकेस से भिड़ गए थे। उस समय गेंदबाज की पीठ उनकी तरफ थी और उन्होंने बायां कंधा टकरा दिया। खुशदिल ने सजा स्वीकार कर ली जिसके बाद मामले की सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। पिछले दो साल में यह उनका पहला अपराध है।

आमिर ग्रुप द्वारा आयोजित रोज़ा इफ्तार में उमड़ा जनसैलाब, सभी धर्मों के लोगों ने दिखाया भाईचारे का संदेश

लखनऊ (सरोजनी नगर) – सिपस आमिर ग्रुप की ओर से सरोजनी नगर क्षेत्र में भव्य रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों रोज़ेदारों और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करना था। आमिर भाई ने इस अवसर पर कहा कि इस आयोजन के पीछे एकमात्र मकसद यह है कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के लोग मिलकर आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखें तथा विकास की ओर कदम बढ़ाएं।

सामाजिक एकता - बेहतरीन उदाहरण

इस कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें बालाजी मंदिर के अध्यक्ष श्री पिंटू यादव, पंचधाम मंदिर के प्रबंधक श्री बुद्धिलाल लोधी, रामनरेश गुप्ता, ऋषभ श्रीवास्तव, अनिल थापा, रविंद्र भैया, दीपक अग्रहरि, एडवोकेट संदीप सिंह, गौरव वर्मा, आमिर अली, मनु खान, अरशद खान, शाहिद, सीबू सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हुए।

रोज़ा इफ्तार के अवसर पर हजारों रोज़ेदारों के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। आयोजन में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में प्रेम और एकता को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं।

हर साल होगा आयोजन

सिपस आमिर ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया जाता है और भविष्य में भी इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना है। यह आयोजन सिर्फ एक इफ्तार नहीं, बल्कि समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने की एक शानदार मिसाल साबित हुआ।

खरी खरी

मनीषा

मर्द को बेचारा बनाने की कवायद

सुहाग चिन्ह औरत के वजूद की पहचान नहीं हो सकते। औरतों को दकियानूसी परंपराओं में बांधे रहने और अपनी पसन्द को प्राथमिकता देने की आजादी क्यों नहीं दी जानी चाहिए। अपने समाज में पुरुषों को सुहाग चिन्ह से मुक्त रखने के पीछे की मानसिकता के पीछे अधिकार का भाव ज्यादा था। ये चिन्ह मोहर हैं। प्रतीक हैं। स्त्री पर अपना हक जमाने का तरीका हैं।

मर्दवादी मानसिकता को मैं संक्रमण मानती हूं, जो पीढी-दर-पीढी बढता ही जाता है। हैरत तब होती है, जब इस तरह का विचार किसी सम्मानित और विशिष्ट शख्सियत द्वारा महाराष्ट्र के पुणे में जिला अदालत में न्यायाधीश की ऐसी ही टिप्पणी पर नेटीजनों ने काफी तल्ख सवाल उठाये। यह मामला एक औरत से संबंधित है। जिसने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया था। मामला मध्यस्थता केन्द्र में था। जहां मामले की सुनवाई करते हुए, केन्द्र के जज ने महिला से कहा- मैं देख सकता हूं, आपने मंगलसूत्र या बिन्दी नहीं पहनी है। यदि आप विवाहित महिला की तरह व्यवहार नहीं करती हैं तो पति आपमें दिलचस्पी क्यों दिखाये। वकील के अनुसार यह स्त्री पति से अलग होना चाह रही थी। जज की इस टिप्पणी से वह असहज हो गयी। हालांकि यह टिप्पणी अदालत ने की, परंतु निहायत निन्दनीय कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए। पति की दिलचस्पी को बिन्दी या मंगलसूत्र से जोड़ कर देखना, न केवल दकियानूसी नजरिया कही जानी चाहिए। बल्कि इस पर ऊपर की अदालत को संज्ञान भी लेना चाहिए। अपने शौहर से परेशान औरत जब शादी से मुक्त होने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाती है तो उसकी मनोदशा पर भी गौर फरमाना जरूरी है। बजरिए बिन्दी या मंगलसूत्र न तो पति को खुश किया जा सकता है। न ही औरत मुतमईन रह सकती है। बिन्दी लगाना, न लगाना औरत का निजी चुनाव होता है। बेशक औरतें, शौकिया या आकर्षक दिखने के लिहाज से माथे पर कुमकुम लगाती हैं। परंतु उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। न ही यह दावा किया जा सकता है कि बिन्दी/मंगलसूत्र पति को काबू करने के रिमोट हैं। इसी वकील ने जिला न्यायालयों में होने वाली टिप्पणी को तर्कसंकत न होने पर सवाल उठाया। दूसरा वाकया उसी वकील ने बताया, जब भरण-पोषण के विवाद के दौरान जज ने कहा- अगर कोई महिला कमाई कर रही है तो वह ऐसा पति तलाशेगी, जो उससे ज्यादा कमाता हो। लेकिन अच्छा कमाने वाला आदमी तो घर में बर्तन धोने वाली से भी शादी कर लेता है। देखिए, पुरुष कितने लचीले होते हैं। आपको भी कुछ लचीलापन दिखाना चाहिए। इतना कठोर मत बनो। यह कमाऊ औरत की तौहीन है। बेशक अपने समाज में पति का ओहदा और उसकी आय पति से अधिक इसलिए चुनी जाती है, ताकि औरत उसके समक्ष हमेशा निचली पायदान पर रहे। खुद को कमतर महसूसे। यही कारण है कि पति की उम्र पत्नी से अधिक चुनी जाती है। ताकि उसका दबदबा बना रहे। रही बात बर्तन धोने वाली से शादी करने की, तो यह परिवार/ पुरुषों का चुनाव होता है। जिन मर्दो को बर्तन धोने वाली पत्नी की दरकार होती है, वे खुद या उनका परिवार घरेलू कामकाज संभालने वाली लड़कियों को ही चुनता है। यह स्वीकारने में मुझे कोई शक नहीं है कि अभी भी अपने यहां ऐसे परिवार हैं, जो कमाई करने वाली जनानियों के प्रति दुर्भावनाएं रखते हैं। बावजूद इसके न्याय की कुर्सी पर काबिज सम्मानित शख्स का लहजा कमाऊ औरतों के प्रति बेहद संकीर्ण कहा जाना चाहिए। ऐसा तो कतई नहीं है कि औरतों मे लचीलापन पुरुषों की तुलना में कम होता है। ये आम औरतें ही हैं, जो बेरोजगार, निकम्मे और कामचोर पतियों के साथ पूरा का पूरा जीवन काट देती हैं। खासकर अपने समाज में निम्न व निम्न मध्यवर्गीयों का बहुत बड़ा तबका है, जो औरतों से उम्मीद करता है कि वे शराबी, बेशऊर, मरकहे और उपद्रवी पति को भी परमेश्वर का दर्जा देने में कोई कोताही न करे।

मैंने अपने परिचय व इर्द-गिर्द ढेरों ऐसी औरतों को देखा है। मेरी बहन के यहां लंबे अरसे से काम कर रही अधेड़ा का शौहर हमेशा का शराबी है। उसने अपने तीन बच्चों को पालने के लिए घर-घर बर्तन-पोछे का काम पकड़ा, जो अब तक कर रही है। जबकि अब वह बामार है और निराा भी हो चुकी। उसका बेकार पति शारीरिक रूप से कमजोर व दमे का मरीज हो चुका है। दोनों बेटे गजब के नशेड़ी हैं। वह कमाती है और अपने समेज पति की दवा का खर्च भी उठाती है। एक अन्य पड़ौसी ने कुछ साल पहले अपनी बेटी की शादी धूमधाम से फोटोग्राफर से की। करोना के दौरान उसका काम बिल्कुल बन्द हो गया। इस बीच दंपति के पुत्री हो गयी। आज दामाद घर बैठा है, छोटे-मोटे नशे करता है और सारा दिन फोन पर अंगूठा घिसता रहता है। जबकि बेटी करीब ही दफ्तरी काम करती है। घर संभालती है और बच्ची को अच्छे स्कूल में एडमीशन दिलाने के लिए परेशान है। ये सब औरतें/ लड़कियां घर में बर्तन भी घिस रही हैं, खाना पका रही हैं और बच्चे भी संभाल रही हैं। माफ करें पर ये औरतें हमेशा बिन्दी पहनती हैं और मंगलसूत्र भी गले में डालें फिरती हैं। मगर इनके परमेश्वरों ने कभी अपनी औरतों पर तरस नहीं खाया। अपने करीब गौर फरमाएं तो दुकाने संभालने वाली, ब्यूटी पार्लर, सिलाई का काम कर दो पैसा कमाने वाली ढेरों गृहस्थिनों को उंगलियों पर गिन सकते हैं। वे अडोस-पड़ोस के बच्चों को ट्यूशन देकर, साड़ी में फॉल लगाकर, पैसों वालों के यहां छोटी-मोटी मदद कर मुट्ठी भर पैसा कमाने के लिए हाड़-तोड़ मेहनत करती हैं। वे मजदूरी करती हैं, घंटों खड़ी रह कर सेल्स का काम संभालती हैं। इतनी मशक्कत के पीछे अपना परिवार-बच्चे सम्भालना उनका मकसद होता है। ऐसी औरतों को कोसने और उन पर लानते भेजने वालों को तनिक संकोच करना सीखना होगा।

सुहाग चिन्ह औरत के वजूद की पहचान नहीं हो सकते। औरतों को दकियानूसी परंपराओं में बांधे रहने और अपनी पसन्द को प्राथमिकता देने की आजादी क्यों नहीं दी जानी चाहिए। अपने समाज में पुरुषों को सुहाग चिन्ह से मुक्त रखने के पीछे की मानसिकता के पीछे अधिकार का भाव ज्यादा था। ये चिन्ह मोहर हैं। प्रतीक हैं। स्त्री पर अपना हक जमाने का तरीका हैं। औरतें श्रद्धानुसार इनका पालन करती रही हैं। मगर पढा-लिखा, सम्मानित तबका भी यदि इन रूढिवादी रिवाजों को लेकर इतना तंग नजरिया रखेगा तो औरतों की निजता पर यूं ही अतिक्रमण जारी रहेगा। बेत भले ही ऋंगार की ही क्यों न हो। यह औरत खुद निर्णय ले, वह कैसे और क्या पहनने को राजी है। औरतों पर जबरन लादे जाने वाली रूढियों के प्रति सजग रहना सीखना होगा। ये सब काम फिल्मों और पॉपुलर टेलीसीरीज ने बहुत कर दिखाया है। जहां मंगल सूत्र टूटने से पति की जिन्दगी खत्म हो जाती है या सिन्दूरदानी गिरते ही वह बेवा हो जाती है। ■